लिँग एवं वचन

लिँग

जो संज्ञा शब्द पुरूष या स्त्री जाति का ज्ञान कराते हैं, उन शब्दो रूपों को लिंग कहते है। हिन्दी में कुछ शब्दो को छोड़कर शेष सभी शब्द या तो पुरूषवाचक है या स्त्री वाचक। इसलिए हिन्दी भाषा में लिंग के दों प्रकार माने गये है।

1. पुल्लिंग : पुरूष या नर जाति का बोध कराने शब्द पुल्लिँग कहलाते है। जैसे– लड़का, रमेश, मोर, देश, बकरा, बन्दर, भवन, साला, भाई आदि।
2. स्त्रीलिंग– स्त्री या नारी (मादा) जाति का बोध कराने वाले शब्दों को स्त्रीलिंग कहते है। जैसे–लड़की, सीमा, बालिका, शेरनी, राधा, दासी, देवरानी, चिड़िया, भाभी, छात्रा आदि।

हिन्दी भाषा में कई ऐसे भी शब्द है जो पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग दोनों रूपों में अपरिवर्तित रहते है। इन शब्दों का लिगं परिवर्तन नहीं होता। जैसे – चांसलर, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजदूत, राज्यपाल, इंजीनियर, डॉक्टर, मैनेजर, डाकिया आदि। ऐसे शब्दों को उभयलिंगी कहते है। उदाहरणार्थ –

- हमारे देश के प्रधानंत्री कल जापान यात्रा पर जा रहे हैं।
- जर्मनी की चांसलर एंजिला मर्केल ने सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन किया है।
- डॉक्टर हॉस्पिटल जा रहे हैं।
- डॉक्टर मेरी माताजी को देखने घर आ रही है।

Exam India
Unit Of Azad Group

- **लिंग निर्धारण सम्बन्धी नियमः:**

पुल्लिंग शब्द–

- **दिनों (वार) के नाम पुल्लिंग होते हैं–** सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरूवार, शुक्रवार, शनिवार तथा रविवार।
- **महीनों के नाम –** चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, भाद्रपदस, आश्विन, कार्तिक , मार्गशीर्ष, पौष, माघ व फाल्गुन। किन्तु अंग्रेजी मास में जनवरी, फरवरी, मई , जुलाई अपवाद हैं यानि ये स्त्रीलिंग हैं।
- **रत्नों के नाम** – हीरा, पन्ना, मोती, मूँगा, पुखराज। किन्तु सीपी, रत्ती, व मणि अपवाद स्वरूप स्त्रीलिंग है।
- **द्रव पदार्थ** – रक्त, घी, पैट्रोल, डीजल, तेल, पानी।
- **घातुओं के नाम** – सोना, पीतल, लोहा, ताँबा। किन्तु अपवाद स्वरूप चाँदी स्त्रीलिंग है।
- **प्राणिजगत् में** – कौआ, मेंढ़क, खरगोश, भेड़िया, उल्लू, तोता, खटमल, पक्षी, पशु, जीवन, प्राणी।
- **वृक्षों के नाम** – नीम, पीपल, जामुन, बड़, गुलमोहर, अशोक, आम, कदम्ब, देवदार, चीड़, रोहिड़ा आदि।
- **पर्वतों के नाम** – कैलाश, अरावती, हिमालय, विंध्याचन सतपुड़ा आदि।
- **अनाजों के नाम** – गेहूँ, बाजरा, चावल, मूँग आदि शब्द पुल्लिंग हैं किन्तु अपवाद स्वरूप मक्का, ज्वार, अरहर , रागी आदि स्त्रीलिंग है।
- **ग्रहों के नाम** – रवि, चन्द्र, सूर्य, ध्रुव, मंगल, शनि, बृहस्पति। किन्तु 'पृथ्वी' शब्द अपवाद स्वरूप स्त्रीलिंग है।
- शरीर के अंग – पैर, पेट, गला,मस्तक, अँगूठा , मस्तिष्ठ, हृदय, सिर, हाथ, दाँत, वक्ष, बाल, कान, मुख, दिल, दिमाग आदि।
- **वर्णमाला के अक्षर** – स्वरों मे इ,ई, ऋ, ए तथा ऐ को छोड़कर सभी वर्ण पुल्लिंग है ।
- **समुद्रों के नाम** – प्रशांत महासागर, अंध महासागर, अरब सागर, हिन्द

Exam India
Unit Of Azad Group

महासागर, लाल सागर, भूमध्य सागर आदि।

- **विविष्ट स्थान** – वाचनालय, शिवालय, भोजनालय, चिकित्सालय, मंदिर, भंडारघर, स्नानघर, रसोईघर, शयनागृह, सभाभवन, न्यायालय, परीक्षा–केन्द्र, मंत्रालय, विद्यालय, सचिवालय, कार्यालय, पुस्तकालय, प्रसारण– केन्द्र आदि।
- **व्यवसाय सूचक शब्द**– उपन्यासकार, कहानीकार, नाटककार, कर्मचारी, अधिकारी, व्यापारी, सचिव, आयुक्त, राज्यपाल, उद्योगपति, दुकानदार, क्रेता, विक्रेता, देनदार, लेनदार, सेठ, श्रेष्ठी, सैनिक, सुनार, सेनापति, संवाददाता, लोकपाल, लेखपाल, अधिवक्ता, विभागाध्यक्ष चपरासी, न्यायाधीश, वकील आदि।
- **समुदायवाचक शब्द** – समाज, दल संघ, गुच्छा, मंडल, सम्मेलन, परिवार, कुटुम्ब, वंश, कुल झुण्ड आदि।
- **भाववाचक संज्ञाएँ** – आ, आव, आवा, पन, हा, वट, न प्रत्यायों से युक्त भावनाचक संज्ञा– शब्द। जैसे– बाबा, बहाव, दिखावा, पहनावा, मोटावा, बुढ़ापा, बचपन, सीधापन, कवित्व, स्वामित्व, महत्व, दिखावट आदि।
- **संस्कृत** – शब्द(तत्सम शब्द) पुल्लिंग हैं। जैसे – दास, अनुचर, मानव, दानव, देव, मनुष्य, राजा, ऋषि, मधु, फल, गृह, दीपक, मन, डर, मित्र, कुल, वश आदि।
- जिन शब्दों के अन्त में 'त्र' जुड़ा हो। जैसे – नेत्र, पात्र, चरित्र, अस्त्र, शस्त्र, वस्त्र आदि।
- जिन शब्दों के अन्त में 'ख' अथवा 'ज' होता है। जैसे – मुख, दुःख, लेख, पंकज, अनुज, जलज आदि।
- आकार– प्रकार, देखने में भारी– भरकम, विशाल, और बेडौल वस्तुएँ पुल्लिंग होती है। जैसे – ट्रक, इंजन, बोरा, खम्भा, स्तम्भ, गड्डा आदि।
- आकार– प्रकार, देखने में भारी– भरकम, विशाल और बेडौल वस्तुएँ पुल्लिंग होती हैं– जैसे – ट्रक, इंजन, बोरा, खम्भा, स्तम्भ, गड्ढा आदि।

Exam India
Unit Of Azad Group

- अकारांत और आकारांत शब्द पुल्लिंग होते हैं। जैसे– जंगल, कपड़ा, धन, वस्त्र, छिलका, भोजन, बर्तन, घड़ा, मटका, कलश, घट, पट आदि।
- एरा, दान, वाला, खाना, बाज, वान तथा शील प्रत्यय वाले शब्द पुल्लिंग होते है। जैसे –सपेरा, लुटेरा, चचेरा, ममेरा, फुफेरा आदि।
  फूलदान, खानदान, पानदान, कमलदान, रोशनदान आदि।
  दूधवाला, पानवाला, घरवाला, मिठाईवाला आदि।
  कारखाना, जेलखाना, पागलखाना, डाकखाना दवाखाना आदि।
  चालबाज, दगाबाज, धोखेबाज, नशेबाज, नखेरबाज आदि।
  धनवान, गुणवान, बलवान, चरित्रवान, भाग्यवान, दयावान आदि।
  सुशील, अध्ययनशील, प्रगतिशील, उन्नतिंशील आदि।
- 'अर्थी' तथा 'दाता' प्रत्यय युक्त शब्द पुल्लिंग होते हैं। जैसे – अभ्यर्थी , स्वार्थी, परमार्थी, पुरूषार्थी, मतदाता, रक्तदाता आदि।

♦ स्त्रीलिंग – सामान्यतः निम्न शब्द स्त्रीलिंग होते है। –

- लिपियों के नाम – देवनागरी, रोमन गुरूमुखी, शारदा, खरोष्ठी, मुढ़िया आदि।
- **नदियों के नाम** – गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, सतलज, ताप्ती, रावी, चंबल, झेलम, चिनाव, ब्रह्मपुत्र, काटली, खारी, बांडी, आदि।
- **भाषाओं के नाम** – हिन्दी, संस्कृत, अरबी, फारसी, अंग्रेजी, तमिल, जर्मन, मराठी, गुजराती, मलयालम, बांगला, राजस्थानी आदि।
- **तिथियों के नाम** – प्रथमा, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, अमावस्या, पूर्णिमा, प्रतिपदा आदि।
- **बेलों के नाम** – जूही, चमेली, मल्लिका, मधुमति आदि।
- **प्राणियों में** – कोयल, चील, मैना, मछली, गिलहरी, छिपकली, मक्खी आदि स्त्रीलिंग शब्द है। इन शब्दों के पूर्व नर शब्द जोड़ देने से ये शब्द पुल्लिंग बन जाते है, जैसे – नर, मछली, नर मैना आदि।

Exam India
Unit of Azad Group

- **वर्णमाला के अक्षर** – इ, ई, ऋ आदि स्त्रीलिंग हैं।
- **संस्कृत की इकारान्त संज्ञाएँ** – अवनति, उन्नति, मति, तिथि, गत, अग्नि, हानि, रीति, समिति, शांति, शक्ति, संधि, जति आदि।
- **संस्कृत की उकारान्त संज्ञाएँ** – माला, माया, यात्रा, शोभा, क्रिया, लता, विद्या, घृणा, दया, पिपासा, कृपा, हिंसा, प्रतिभा, प्रतिमा, प्रतिज्ञा, आज्ञा, सरिता, क्रीड़ा ध्वजा, लालसा, जरा, मृत्यु, आयु, ऋतु, वायु, धातु, आदि।
- **शरीर के अंग** – आँख, नाक, ठाड़ी, नाभि, भाँ, पलक, छाती, कमर, एड़ी, चोटी, जीभ, पसली, पिंडली, अंगुली आदि।
- **हथियारों में** – तलवार, कटार, तोप, बंदूक, गोली, गदा, कृपाण, आदि शब्द स्त्रीलिग है किन्तु धनुष, बाण, बम, पुल्लिंग है ।
- समुदायों में – संसद, परिषद्, सभा, समिति, सेना, भीड़, टोली, रैली, सरकार, स्त्रीलिंग शब्द है।
- नक्षत्रों के नाम – भरणी, कृतिका, रोहिणी आदि। किन्तु पुनर्वसु पुष्य, तारा आदि पुल्लिंग है।
- भोजन – मसालों के नाम– पूरी, रोटी, सब्जी, जलेबी, मिर्ची, हल्दी आदि।
- जिस शब्दों के अन्त में इ, नी, आनी, आई, इया, इमा, त, ता, आस, री, आवट जुड़े होते है वे प्रायः स्त्रीलिंग शब्द होते हैं। जैसें–

ई – गर्मी, सर्दी झिड़की, खिड़की, गाली आबादी।
नी – कथनी, करनी, भरनी , जवानी, जननी, चटनी, छलनी।
आई – मलाई, बुराई, चटाई, पढ़ाई, लड़ाई सफाई, विदाई कमाई आदि।
इया – बुढ़िया, चिड़िया, कुटिया, गुड़िया आदि।
इमा – कालिमा, नीलिमा, महिमा, गरिमा आदि।
त – रंगत, संगत, खपत, चाहत आदि।
ता – एकता, कटुता, पशुता, मनुष्यता, महानता, नीचता, श्रेष्ठता, लघुता, ज्येष्ठता, मानवता, दानवता आदि।

Exam India
Unit of Azad Group

आस – खटास, मिठास, भड़ास आदि।
री – बकरी, गठरी, कबूतरी, चकरी आदि।
आवट – बनावट, सजावट, लिखावट, थकावट, दिखावट आदि।
आहट – मुस्कराहट, चिकनाहट घबराहट आदि।

♦ पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनान के नियमः–

- **'अ' तथा 'आ' को 'ई' करने से –**

पुल्लिंग	–	स्त्रीलिंग
नर	–'	नारी
बेटा	–	बेटी
बकरा	–	बकरी
लंबा	–	लंबी
गधा	–	गधी
नाला	–	नाली
गोप	–	गोपी
पुत्र	–	पुत्री
दास	–	दासी
ब्राह्मण	–	ब्राह्मणी
घोड़ा	–	घोड़ी
तरूण	–	तरूणी
नाना	–	नानी
पिला	–	पीली
मेढ़क	–	मेंढ़की
मुर्गा	–	मुर्गी
हरिण	–	हरिणी
लड़का	–	लड़की

- **'अ' तथा 'आ' को 'इया' करने से –**

बंदर	–	बंदरिया
खाट	–	खटिया

Exam India
Unit Of Azad Group

लोटा	–	लुटिया
चूहा	–	चुहिया
बेटा	–	बिटिया
चिड़ा	–	चिड़िया
गुड्डा	–	गुड़िया
बच्छा	–	बछिया
डिब्बा	–	डिबिया

- **संबंध, जाति तथा उपमानवाचक शब्दों में 'आनी' जोड़ने से –**

मुगल	–	मुगलानी
पंडित	–	पंडितानी
क्षत्रिय	–	क्षत्राणी
नौकर	–	नौकरानी
सेठ	–	सेठानी
रूद्र	–	रूद्राणी
इंद्र	–	इंद्राणी
जेठ	–	जेठाणी
देवर	–	देवरानी
मेहतर	–	मेहतरानी

- **व्यवसायवाचक, जातिवाचक तथा उपमानवाचक शब्दों में 'इन' या 'आइन' जोड़ने से –**

पंडिताइन	–	पंडिताइन
ठाकुर	–	ठकुराइन
चौबे	–	चौबाइन
दर्जी	–	दर्जिन
हलवाई	–	हलवाइन
पाप	–	पापिन
चमार	–	चमारिन
कहार	–	कहारिन
जोगी	–	जोगिन
भंगी	–	भंगिन

Exam India
Unit Of Azad Group

साँप	–	साँपिन
लला	–	ललाइन
बाबू	–	बबुआईन
जुलाहा	–	जुलाहिन
तेली	–	तेलिन

- **प्राणिवाचक और जातिवाचक संज्ञाओं मे 'नी' जोड़कर–**

मोर	–	मोरनी
सिंह	–	हिंसनी
भाट	–	भाटनी
भील	–	भीलनी
रीछ	–	रीछनी
ऊँट	–	ऊँटनी
शेर	–	शेरनी
हाथी	–	हथिनी
राजपूत	–	राजपूतनी
सियार	–	सियारनी
जाट	–	जाटनी
लम्बरदार	–	लम्बरदारनी

- **तत्सम अकारांत शब्दों के अन्त में 'आ' जोड़कर–**

कांत	–	कांता
चंचल	–	चंचला
तनय	–	तनया
आत्मज	–	आत्मजा
अनुज	–	अनुजा
प्रिय	–	प्रिया
पालित	–	पालिता
पूज्य	–	पूज्या
वृद्ध	–	वृद्धा
शिष्य	–	शिष्या
श्याम	–	श्यामा

Exam India
Unit Of Azad Group

कृष्ण	–	कृष्णा
सुत	–	सुता
शिव	–	शिवा
भवदीय	–	भवदीया

- **तत्सम संज्ञा शब्दों में 'अंक' या 'इका' जोड़ने से –**

अध्यापक	–	अध्यापिका
सेवक	–	सेविका
दर्शक	–	दर्शिका
संपादक	–	संपादिका
गायक	–	गायिका
पाठक	–	पाठिका
सहायक	–	सहायिका
संयोजक	–	संयोजिका
लेखक	–	लेखिका
परिचायक	–	परिचायिका
संचालक	–	संचालिका

- **तत्सम शब्दों में 'ता' का 'त्री' करने से –**

दाता	–	दात्री
अभिनेता	–	अभिनेत्री
विधाता	–	विद्यात्री
धाता	–	धात्री
नेता	–	नेत्री
निर्माता	–	निर्मत्री
वक्ता	–	वक्त्री
कर्त्ता	–	कर्त्री

Exam India
Unit Of Azad Group

- **तत्सम शब्दों में 'मान' और 'वान' का क्रमशः'मती' और 'वती' करने से –**

भगवान	–	भगवती
धनवान	–	धनवती
रूपवान	–	रूपवती

ज्ञानवान	–	ज्ञानवती
बुद्धिमान	–	बुद्धिमती
शक्तिमान	–	शक्तिमती
सत्यवान	–	सत्यमती
आयुष्मान	–	आयुष्मती
गुणवान	–	गुणवती
श्रीमान	–	श्रमती
पुत्रवान	–	पुत्रवती

- **'इनी' प्रत्यय जोड़ने से ('अ' और 'ई' का 'इनी' या 'इणी' होना)–**

मनोहरी	–	मनोहारिणी
एकाकी	–	एकाकिनी
यशस्वी	–	यशस्विनी
स्वामी	–	स्वामिनी
हाथी	–	हथिनी
हंस	–	हंसिनी
तपस्वी	–	तपस्विनी
अभिमान	–	अभिमानिनी
अधिकारी	–	अधिकारिणी

- **पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग शब्दों में क्रमशः मादा तथा नर जोड़ने से –**

कोयल	–	मादा कोयल
गैंडा	–	मादा गैंडा
नर चील	–	चील
भालू	–	मादा भालू
नर गिलहरी	–	गिलहरी
भेड़िया	–	मादा भेड़िया
खरगोश	–	मादा खरगोश

- **हिंदी में कुछ पुल्लिंग शब्द अपने स्त्रीलिंग से भिन्न होते है–**

पुरूष	–	स्त्री
राजा	–	रानी
बहन	–	भाई

Exam India
Unit Of Azad Group

साहब	–	मेम
बैल	–	गाय
वीर	–	वीरांगना
वर	–	वधू
पिता	–	माता
विद्वान	–	विदुषी
ससुर	–	सास
साली	–	साढू
पुत्र	–	पुत्रवधू
सम्राट	–	सम्राज्ञी
विधुर	–	विधवा
कवि	–	कवयित्री
बिलाव	–	बिल्ली

- **कुछ सर्वनाम शब्दों का लिंग परिवर्तन इस प्रकार होता है–**

उसका	–	उसकी
तुम्हारा	–	तुम्हारी
मेरा	–	मेरी
तेरा	–	तेरी
इनका	–	इनकी
हमारा	–	हमारी

- **बहुत जगह पर एक ही वस्तु के वाचक एक ही भाषा के दो शब्द दो लिंगों में प्रयुक्त होते हैं–**

वचन	–	प्रीति
जगत्	–	जगती
गमन	–	गति
काठ	–	लकड़ी
दुःख	–	पीड़ा
चाम	–	खाल
आँख	–	चक्षु
वक्ष	–	छाती

Exam India
Unit Of Azad Group

पाषाण	–	शिला
दैव, भाग्य	–	नियति

- अनेक शब्दों का प्रयोग दोनों लिंगो में समान रूप से होता है। जैसे– सरकार, दही, नाक, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मंत्री सचित आदिं।
- संस्कृत में 'अ' प्रत्यय लगाने से बनी संज्ञाएँ प्रायः स्त्रीलिंग होती है–

मारना	–	मार
खोजना	–	खोज
चहकना	–	चहक
बहकना	–	बहक
महकना	–	महक
कूकना	–	कूक
फूटना	–	फूट
खिसकना	–	खिसक
डपटना	–	डपट

(खेल, नाच, मेल, उतार, चढ़ाव, आदि पुल्लिंग हैं।)

- अरबी–फारसी के त, श, अ, ह के अंत वाले शब्द स्त्रीलिंग होते हैं, जो हिंदी में प्रचलित हैं–

त – इज्जत, रिश्वत, ताकत, मेहनत आदि।
श – कोशिश, सिफारिश, मालिश, तलाश आदि।
आ – हवा, सजा, दवा, दुआ आदि।
ह – आह, राह, सलाह, सुबह, जगह, सुलह आदि।

- **समान लिंग–युग्म** – इन युग्मों मे मूल शब्द स्त्रीलिंग होता है, उसी में पुरूषवाची प्रत्यय जोड़कर उसे पुल्लिंग बना लिया जाता है–

जीजी	–	जीजा
ननद	–	ननदोई
बहन	–	बहनोई
मौसी	–	मौसा
बकरी	–	बकरा।

Exam India
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभाती हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

Exam India

Unit Of Azad Group